



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 182]

No. 182]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 25, 2003/फाल्गुन 6, 1924
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 25, 2003/PHALGUNA 6, 1924

वित्त और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2003

का.आ. 217(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोक हित में यह

आवश्यक है कि तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (टेसिड) को, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित एक सरकारी कंपनी है, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 68, ग्रीम्स रोड, चेन्नई-600 006 में है, स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड (सिपकोट) के साथ, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित एक सरकारी कंपनी है, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय सं० 19-ए, रुक्मणि लक्ष्मीपति रोड, एग्मोर, चेन्नई-600 008 में है, औद्योगिक विकास और अवसंरचनात्मक प्रसुविधाएं सृजित करने और उपस्करों, कार्मिक, सामग्री और अन्य अवसंरचनात्मक प्रसुविधाएं सृजित करने के लिए नीति में समन्वय, दक्षतापूर्ण, पर्याप्त मितव्ययी और समुचित रूप से समन्वित औद्योगिक अवसंरचना और सहायक प्रसुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के लिए एकल कंपनी में समामेलित किया जाए ;

और तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड ने

25.11.1999 को आयोजित किए गए अपने असाधारण अधिवेशन में कंपनी के शेयर धारकों

द्वारा पारित संकल्प द्वारा स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड के साथ अपने सम्मेलन का अनुमोदन कर दिया है ;

और स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड ने 25.11.1999 को आयोजित किए गए अपने वार्षिक साधारण अधिवेशन में पूर्ववर्ती कंपनी के शेयर धारकों द्वारा पारित संकल्पों द्वारा तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड के साथ अपने सम्मेलन का अनुमोदन कर दिया है ;

और सम्मेलन के लिए प्रस्तावित आदेश के प्रारूप की एक प्रति पूर्वोक्त कंपनियों अर्थात् मैसर्स तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड और मैसर्स स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड को आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए दो समाचार पत्रों में उसके प्रकाशन के लिए भेजी गई थी;

और मैसर्स तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड को मैसर्स स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड के साथ सम्मेलन की स्कीम को दोनों कंपनियों द्वारा दैनिक समाचार पत्रों अर्थात् “दि इकनामिक टाइम्स” (अंग्रेजी) चेन्नई में तारीख 4.11.2000 को, “दिनामालार” (जनभाषा) चेन्नई में 5.11.2000 को प्रकाशित किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार द्वारा दो कर्मचारियों से प्राप्त आक्षेपों पर विचार किया गया था ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (टैसिड) को स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड (सिपकोट) के साथ निम्नलिखित रूप में सम्मेलित करने का उपबंध करने के लिए आदेश करती है, अर्थात् :--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ -(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (टेसिड) और स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड (सिपकोट) समामेलन आदेश, 2003 है ।

(2) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा ।

2. परिभाषाएं - इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो -

(क) “नियत दिन” से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है ;

(ख) “विघटित कंपनी” से तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (टेसिड) अभिप्रेत है ;

(ग) “प्रलक्षित कंपनी” से स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड (सिपकोट) अभिप्रेत है ;

3. शेयर धारण करने का पैटर्न - (क) दोनों कम्पनियों का शेयर धारण करने का पैटर्न 31

मार्च, 1999 को यथा निम्नलिखित है :-

(i) तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड :-

क्र.सं.	शेयर धारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपए में)
1.	तमिलनाडु के राज्यपाल, चेन्नई	65,99,993	65,99,99,300
2.	अन्य (सात) प्रत्येक 100 शेयर धारक, जो तमिलनाडु के राज्यपाल के नामनिर्देशित हैं ।	07	700
	योग	66,00,000	66,00,00,000

(ii) स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड

क्र.सं.	शेयर धारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपए में)
1.	तमिलनाडु के राज्यपाल, चेन्नई	57,91,240	57,91,24,000
2.	अन्य (दस) प्रत्येक 100 शेयर धारक, जो तमिलनाडु के राज्यपाल के नामनिर्देशिती हैं ।	10	1000
	योग	57,91,250	57,91,25,000 ;

(ख) विघटित कंपनी के सभी शेयर, जो अब तमिलनाडु के राज्यपाल और उसके/उसकी नामनिर्देशिती के नाम में धारित हैं, रद्द कर दिए जाएंगे ।

(ग) प्रलक्षित कंपनी अर्थात् स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड इस आदेश के प्रवृत्त होने पर 100 रु. प्रतिशेयर के 66 लाख शेयरों की साधारण शेयर पूंजी को, तमिलनाडु के राज्यपाल और उसके/उसकी नामनिर्देशितियों के शेयर अग्रिम धन के रूप में माना जाएगा और नियत दिन को प्रलक्षित कंपनी की शेयर पूंजी निम्नानुसार होगी,-

क्र.सं.	शेयर धारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपए में)
1.	तमिलनाडु के राज्यपाल, चेन्नई	57,91,240	57,91,24,000
2.	अन्य (दस) प्रत्येक 100 शेयर धारक, जो तमिलनाडु के राज्यपाल के नामनिर्देशिती हैं ।	10	1000
	योग	57,91,250	57,91,25,000

4. कंपनियों का सम्मेलन- (1) नियत दिन से ही तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (टेसिड) का, जैसा है जहां है की शर्त पर, सम्पूर्ण कारबार और उपक्रम, जिसमें सभी जंगम और स्थावर संपत्तियां और अन्य आस्तियां हैं किसी भी प्रकृति की हों, जिसके अंतर्गत, मशीनरी और सभी अन्य नियत आस्तियां, पट्टे, अभिधृति अधिकार, शेयरों में या अन्यथा विनिधान, व्यापार स्टॉक, कर्मशाला, औजार अभिवहन में माल, अग्रिम धन, सभी प्रकार के बही ऋण, बकाया धन, वसूलीय दावे, करार औद्योगिक और अन्य अनुज्ञप्तियां और अनुज्ञा पत्र, आयात और अन्य अनुज्ञप्तियां, आशय के पत्र और प्रत्येक वर्णन के सभी अधिकार और शक्तियां सम्मिलित हैं, किन्तु विघटित कम्पनी की उक्त सम्पत्तियों को प्रभावित करने वाले सभी बंधकों और प्रभारों और आडमानों, गारंटियों और किसी भी प्रकार के सभी अधिकारों के अधीन रहते हुए, बिना और कार्य या विलेख के तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार प्रलक्षित कम्पनी को अंतरित और उसमें निहित हो जाएंगे अथवा उसको अंतरित हुए और उसमें निहित हुए समझे जाएंगे ।

(2) लेखा प्रयोजनों के लिए सम्मेलन उक्त दो कंपनियों के 31 मार्च, 1999 को लेखा परीक्षा किए गए लेखाओं और तुलन पत्रों के प्रति निर्देश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् संव्यवहार एक ही खाते में पूलित किया जाएगा । विघटित कम्पनी से किसी पश्चातवर्ती तारीख को अपने अंतिम लेखाओं को तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और प्रलक्षित कम्पनी विघटित कम्पनी के 1.4.1999 के तुलनपत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्वों को ग्रहण करेगी और उसके पश्चात् विघटित कम्पनी के सभी संव्यवहारों के लिए पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी ।

स्पष्टीकरण -- विघटित कंपनी के उपक्रम में विकास रिबेट आरक्षिति, यदि कोई है, सभी अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार और विशेषाधिकार तथा सभी जंगम या स्थावर सम्पत्ति सम्मिलित है, जिसके अंतर्गत नकद अतिशेष, आरक्षितियां, राजस्व अतिशेष, विनिधान, सभी अन्य हित और अधिकार जो ऐसी सम्पत्ति में या उससे उद्भूत हों, जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी की या उसके कब्जे में हो या उससे संबंधित सभी बहियां, लेखे और दस्तावेज और सभी प्रकार के ऋण, दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं जो उस समय विघटित कम्पनी की विद्यमान हों, आती हैं ।

5. संपत्ति की कतिपय मदों का अंतरण— इस आदेश के प्रयोजन के लिए विघटित कंपनी के सभी लाभ या हानियां या दोनों, यदि कोई हों, जो नियत दिन को हों, और विघटित कंपनी की राजस्व आरक्षितियाँ या कमियां या दोनों, यदि कोई हों जब परिलक्षित कंपनी को अंतरित की जाएं, तो वे प्रलक्षित कंपनी की, यथास्थिति क्रमशः लाभ या हानियों और राजस्व आरक्षितियों या कमियों का भागरूप हो जाएंगी ।

6. संविदाओं की व्यावृत्ति, आदि-- इस आदेश में अंतर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएं, विलेख, बंध पत्र, करार और अन्य लिखतें, चाहे वे किसी भी प्रकृति की हों, जिनकी विघटित कंपनी एक पक्षकार है, जो नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान या प्रभावी हैं, प्रलक्षित कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतया प्रवृत्त और प्रभावी होंगी और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप में प्रवर्तित किया जा सकेगा मानों प्रलक्षित कंपनी उनकी एक पक्षकार रही हो।

7. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति-- यदि नियत दिन को, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां चाहे किसी प्रकृति की हों,

लंबित हैं तो विघटित कंपनी के उपक्रम के प्रलक्षित कंपनी को अंतरित हो जाने या इस आदेश में अन्तर्विष्ट किसी बात के कारण वे उपशमित नहीं होंगी या रोकी नहीं जाएंगी या किसी भी प्रकार से प्रतिकूल रूप में प्रभावित नहीं होगी, किंतु वह वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां उसी रीति से और उसी सीमा तक प्रलक्षित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकेंगी और अभियोजित की जा सकेंगी या प्रवर्तित की जा सकेंगी मानो यदि वह आदेश न किया गया होता तो वे विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रहती, अभियोजित की जाती और प्रवर्तित की जाती ।

8. **कराधान की बाबत उपबंध--** नियत दिन से पूर्व विघटित कंपनी द्वारा किए गए कारबार के लाभों और अभिलाभों (जिनके अंतर्गत संचित हानियाँ और अनामेलित अवक्षयण सम्मिलित हैं) के संबंध में सभी कर प्रलक्षित कंपनी द्वारा ऐसी रियायतों और राहतों के अधीन रहते हुए संदेय होंगे, जो इस समामेलन के परिणामस्वरूप आय कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात किए जाएं ।

9. **विघटित कंपनी के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध --** विघटित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विघटित कंपनी के निदेशकों को छोड़कर) नियत दिन से ही प्रलक्षित कंपनी का, यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी हो जाएगा और उसमें अपना पद या सेवा उसी अवधि के लिए और उन्हीं निबंधनों/शर्तों पर और उन्हीं अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा/करेगी जैसे वह विघटित कंपनी में धारण करता/करती, यदि यह आदेश न किया जाता और वह ऐसा तब तक करता रहेगा जब तक कि प्रलक्षित कंपनी में उसका नियोजन सम्यक रूप से समाप्त नहीं कर

दिया जाता या जब तक उसके/उसकी पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तों में पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तन नहीं कर दिया जाता है ।

10. निदेशकों की स्थिति-- विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व उस रूप में पद धारण किए हुए है, नियत दिन को विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रहेगा ।

11. भविष्य निधि, अधिवर्षिता, कल्याण और अन्य निधियां-- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुपालन के अधीन रहते हुए, विघटित कंपनी द्वारा उसके अधिकारियों और कर्मचारियों के फायदे के लिए स्थापित भविष्य निधि या अधिवर्षिता निधि या कल्याण निधि और किसी अन्य निधि के न्यासी, नियत दिन को न्यास(सों) की निधियों का अंतरण प्रलक्षित कंपनी को करेंगे, जो ठीक नियत दिन से उपरोक्त धन से ऐसे एक या अधिक न्यासों का गठन करेगी, जिनके उद्देश्य, निबंधन और शर्तें वही होंगी जो विद्यमान न्यास(सों) की हैं या उक्त विद्यमान निधियों का प्रलक्षित कंपनी के एक या अधिक तत्स्थानी न्यास (सों) को अंतरण किया जा सकेगा और विघटित कंपनी तथा प्रलक्षित कंपनी द्वारा स्थापित न्यास(सों) के हिताधिकारियों के अधिकारों और हितों को किसी भी रूप में कम या प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं किया जाएगा ।

12. भविष्य निधि की सदस्यता-- विघटित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन उस कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य हैं और प्रलक्षित कंपनी, राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन के नियत दिन से इन अधिकारियों और कर्मचारियों के संबंध में उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजक का अभिदाय उसी दर से, जिस दर से विघटित कंपनी कर

रही थी या ऐसी अन्य दसों पर जो तत्पश्चात् विद्यमान विधियों के अधीन लागू हों, करेगी और करती रहेगी ।

13. तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (टेसिड) का विघटन -- इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से ही तमिलनाडु कार्पोरेशन फॉर इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (टेसिड) का विघटन हो जाएगा और कोई व्यक्ति, विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध, ऐसे निदेशक या अधिकारी की हैसियत में कोई दावा नहीं करेगा, मांग प्रख्यापित नहीं करेगा या कार्यवाही प्रारंभ नहीं करेगा सिवाय उनके जो इस आदेश के उपबंधों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हों ।

14. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण-- केन्द्रीय सरकार, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात्, यथाशीघ्र कंपनी रजिस्ट्रार, चेन्नई को इस आदेश की प्रति भेजेगी जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार, चेन्नई प्रलक्षित कंपनी द्वारा विहित फीस का संदेय किए जाने पर आदेश को रजिस्टर करेगा और इस आदेश की ऐसी प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा । उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, चेन्नई विघटित कंपनी से संबंधित उसके पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किए गए सभी दस्तावेज स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कार्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड जिसके साथ विघटित कंपनी का समामेलन किया गया है, की फाइल में रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा ।

15. प्रलक्षित कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद- स्टेट इंडस्ट्रीज प्रमोशन कॉर्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से ही प्रलक्षित कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे ।

[फा. सं. 24/17/99-सीएल-III]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 25th February, 2003

S.O. 217(E).—Whereas the Central Government is satisfied that it is essential in the public interest that the Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited (TACID), a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at 68, Greams Road, Chennai-600006 should be amalgamated with the State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited (SIPCOT), a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at No.19-A, Rukmani Lakshmipathi Road, Egmore, Chennai-600008, into a single company for creating industrial development and infrastructural facilities and efficient use of the Equipments, Personnel, Material and other infrastructure facilities, for ensuring co-ordination in policy, for providing efficient, adequate economical and properly co-ordinated industrial infrastructure and allied facilities;

AND WHEREAS the Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited has approved its amalgamation with the State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited by resolution passed by the shareholders of the company in the Extra Ordinary General Meeting held on the 25.11.1999;

AND WHEREAS the State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited approved the amalgamation with the Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited by resolution passed by the shareholders of the Former Company in Annual General Meeting held on the 25.11.1999;

AND WHEREAS, a copy of the proposed Order for amalgamation was sent in draft to the aforesaid companies namely M/s. Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited and M/s. State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited for its publication in two newspapers inviting objections and suggestions if any ;

AND WHEREAS, the scheme of amalgamation of M/s. Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited with M/s. State Industries Promotion Corporation of Tamilnadu Limited was published by both the companies in the daily newspapers namely "The Economic Times" (English), Chennai on 4.11.2000 and "Dinamalar" (Vernacular Language), Chennai on 5.11.2000;

AND WHEREAS, the objections received from the two employees were considered by the Central Government;

NOW, THEREFORE, In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following order to provide for the amalgamation of the Tamil Nadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited (TACID), with the State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited (SIPCOT) as follows, namely: -

1. **Short title and commencement.**-(1) This Order may be called the Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited (TACID) and State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited (SIPCOT) Amalgamation Order, 2003.

(2) This Order shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.** - In this Order, unless the context otherwise requires:-

- (a) "appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette;
- (b) "dissolved company" means the Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited (TACID);
- (c) "resulting company" means the State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited (SIPCOT);

3. **Share holding pattern.** - (a) The shareholding pattern of the two companies as on the 31st March, 1999 is as under:-

- (i) Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited:-

Serial No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilnadu, Chennai.	65,99,993	65,99,99,300
2.	Others(Seven) holding 100 shares each who are nominees of Governor of Tamilnadu.	07	700
Total		66,00,000	66,00,00,000

(II) State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited;

Serial No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilnadu, Chennai.	57,91,240	57,91,24,000
2.	Others (Ten) holding 100 shares each who are nominees of Governor of Tamilnadu.	10	1,000
Total		57,91,250	57,91,25,000

- (b). All the shares of the dissolved company which are now held in the name of the Governor of Tamilnadu and his/her nominees shall be cancelled;
- (c) The resulting company viz., M/s. State Industries Promotion Corporation of Tamilnadu Limited, shall treat the equity share capital of 66 lacs shares of Rs.100/- each as share advance money of Governor of Tamil Nadu and his/her nominees upon coming into effect of the Order and share capital of resulting company on the appointed day shall be as under:-

Serial No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilnadu, Chennai.	57,91,240	57,91,24,000
2.	Others (Ten) holding 100 shares each who are nominees of Governor of Tamilnadu.	10	1,000
Total		57,91,250	57,91,25,000

4. **Amalgamation of Companies.** - (1) On and from the appointed day, the entire business and undertaking of the Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited (TACID) in as is where is condition, including all the properties, movable or immovable and other assets of whatsoever nature, including machinery and all fixed assets, leases, tenancy rights, investments in shares or otherwise, stock-in-trade, workshop tools, goods-in-transit, advances of moneys of all kinds, all kinds of book-debts, outstanding moneys, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, imports and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecations, guarantees, and all rights whatsoever, affecting the said properties of dissolved company shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in the resulting company in accordance with the law for the time being in force.

(2) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 1999 of the said two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 01.04.1999 of the dissolved company and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation.- The undertaking of the dissolved company shall include Development Rebate Reserve, if any, all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable, including cash balances, reserves, revenue balances, investments, all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of the dissolved company, immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

5. **Transfer of certain items of property.** - For the purpose of this Order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company, shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

6. **Saving of contracts, etc.**- Subject to the other provisions contained in this Order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect, against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

7. **Saving of legal proceedings.** - If, on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reasons of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this Order, but the suit, prosecution, appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would have or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company if this Order had not been made.

8. **Provisions with respect to taxation.** - All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. **Provisions respecting officers and other employees of the dissolved company.** - Every whole-time officer or other employee (excluding the directors of the dissolved company) employed immediately before appointed day, in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become an officer or employee, as the case may be, of the resulting company and shall hold his/her office or service therein by the same tenure and upon the same terms/conditions and with the same rights and privileges as he/she would have held the same under the dissolved company, if this Order had not been made, and shall continue to do so unless and until his/her employment in the resulting company is duly terminated or until his/her remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. **Position of directors.** - Every Director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of the dissolved company on the appointed day.

11. **Provident, Superannuation, Welfare and other Funds.** - Subject to the compliance with the provisions of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Trustees of the Provident Fund or Superannuation Fund or Welfare Fund and any other funds established by the dissolved company for the benefit of its officers and employees shall transfer funds of the Trust as on the appointed day to the resulting company, who shall immediately from the appointed day constitute the above moneys into one or more trusts with the objects, terms and conditions similar to those of the existing trust (s) or the said existing funds may be transferred to one or more corresponding trust (s) of the resulting company and the rights and interests of the beneficiaries of the trust (s) established by the dissolved company and resulting company shall not in any way be diminished or prejudiced.

12. **Membership of Provident Fund.** - All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of the Employee's Provident Fund under the Scheme of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) of which they are members and the resulting company shall with effect from the appointed day of publication of this Order in the Official Gazette make and continue to make the employer's contributions to the said employees provident fund in respect of these Officers and Employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

13. **Dissolution of the Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited (TACID).** - Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, the Tamilnadu Corporation for Industrial Infrastructure Development Limited (TACID) shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a Director or any Officer thereof in his capacity as such Director or Officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

14. **Registration of the Order by the Registrar of Companies.** - The Central Government shall, as soon as may be, after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Chennai a copy of this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Chennai shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Chennai shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved company on the file of the State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited with whom the dissolved company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

15. **Memorandum and Articles of Association of the resulting company.** - The Memorandum and Articles of Association of the State Industries Promotion Corporation of Tamil Nadu Limited, as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[F. No. 24/17/99-CL-III]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.